भारत के विकास में पांच बड़ी बाधाएं

वर्ल्ड इकॉनॉमिक फोरम की ओर से जारी एक विस्तृत रिपोर्ट में भारत के लिए आंतरिक स्तर पर पैदा होने वाली चुनौतियों के बारे में कहा गया है। ये चुनौतियां हैं -

- पहले स्थान पर अंतरराज्जीय संबंधों में तनाव को रखा गया है।
- दूसरे स्थान पर विकसित देशों के कर्ज चुकाने में आ रही दिक्कत को रखा गया है।
- युवाओं के बीच बढ़ती निराशा तीसरे स्थान पर है।
- चौथी चुनौती के तौर पर तकनीकी प्रशासन की असफलता से होने वाली परेशानी की आशंका है।
- पांचवे स्थान पर डिजिटल असमानता अर्थात् समाज के एक वर्ग का डिजिटल क्रांति से दूर होना है।

समाचार पत्रों पर आधारित।